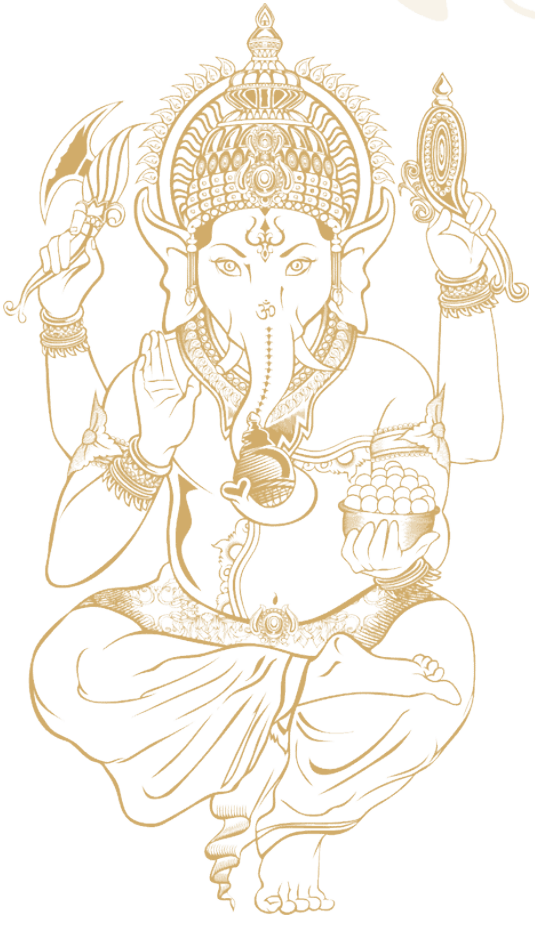

Rahul sunit

22 Aug 1982

12:26 PM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121561003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/08/1982**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:26:00 घंटे**
इष्ट	16:45:22 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:17:16 घंटे
वेलान्तर	-00:02:59 घंटे
साम्पातिक काल	10:18:19 घंटे
सूर्योदय	05:43:51 घंटे
सूर्यास्त	18:39:05 घंटे
दिनमान	12:55:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:15:09 सिंह
लग्न के अंश	03:09:17 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	03:09:17	310:22:14	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			सिंह	05:15:09	00:57:49	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	16:57:07	13:29:11	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			तुला	17:35:58	00:37:17	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	सम राशि
बुध			सिंह	28:25:56	01:26:15	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			तुला	11:03:46	00:08:31	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	15:57:16	01:13:30	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
शनि			कन्या	25:07:22	00:05:32	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	18:41:58	00:06:35	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	18:41:58	00:06:35	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष			वृश्चि	07:02:15	00:00:40	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
नेप	व		धनु	00:43:14	00:00:28	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
प्लूटो			तुला	01:09:34	00:01:33	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			सिंह	09:00:01	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:36

लग्न-चलित

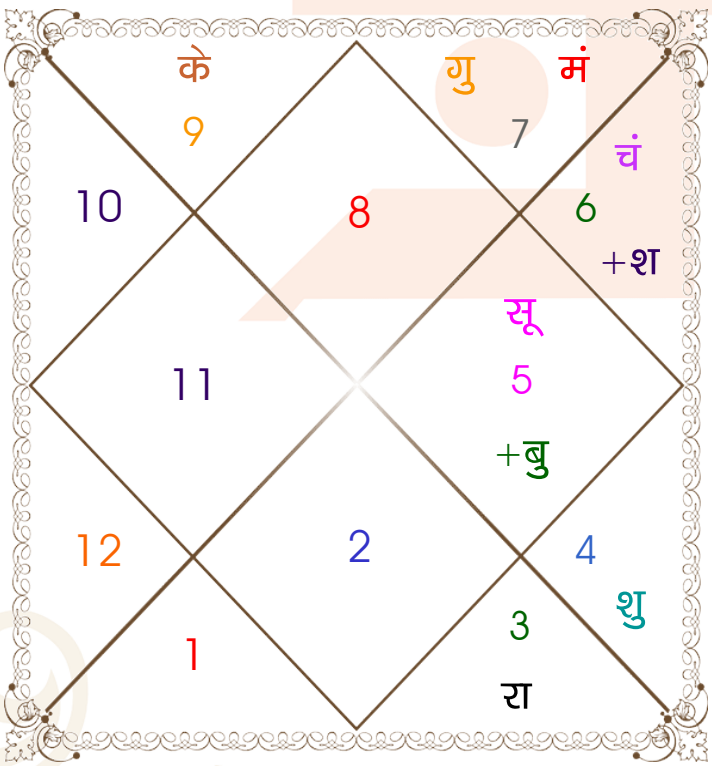

चन्द्र कुंडली

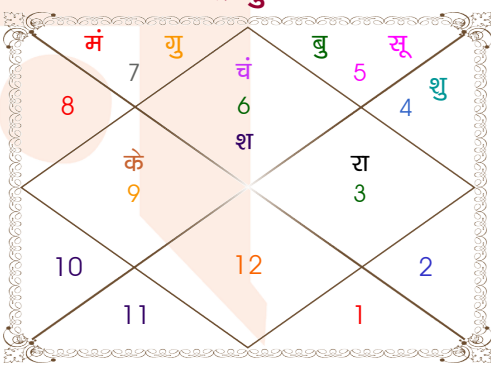

नवमांश कुंडली

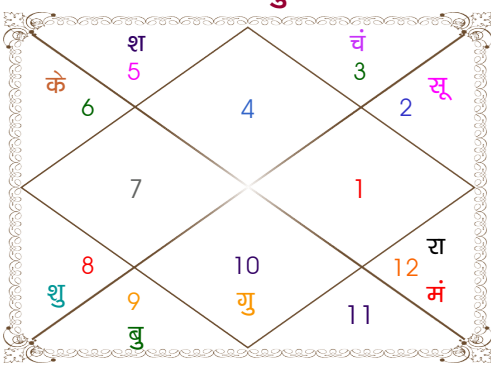

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 9 मास 13 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/08/1982		05/06/1987		05/06/1994		04/06/2012		04/06/2028	
05/06/1987		05/06/1994		04/06/2012		04/06/2028		05/06/2047	
	00/00/0000	मंगल	01/11/1987	राहु	15/02/1997	गुरु	24/07/2014	शनि	08/06/2031
	00/00/0000	राहु	19/11/1988	गुरु	12/07/1999	शनि	03/02/2017	बुध	15/02/2034
	00/00/0000	गुरु	26/10/1989	शनि	18/05/2002	बुध	12/05/2019	केतु	27/03/2035
	22/08/1982	शनि	05/12/1990	बुध	04/12/2004	केतु	17/04/2020	शुक्र	27/05/2038
शनि	05/04/1983	बुध	02/12/1991	केतु	23/12/2005	शुक्र	17/12/2022	सूर्य	09/05/2039
बुध	04/09/1984	केतु	29/04/1992	शुक्र	22/12/2008	सूर्य	05/10/2023	चंद्र	07/12/2040
केतु	05/04/1985	शुक्र	29/06/1993	सूर्य	16/11/2009	चंद्र	03/02/2025	मंगल	16/01/2042
शुक्र	05/12/1986	सूर्य	04/11/1993	चंद्र	18/05/2011	मंगल	10/01/2026	राहु	22/11/2044
सूर्य	05/06/1987	चंद्र	05/06/1994	मंगल	04/06/2012	राहु	04/06/2028	गुरु	05/06/2047

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/06/2047		04/06/2064		05/06/2071		05/06/2091		05/06/2097	
04/06/2064		05/06/2071		05/06/2091		05/06/2097		00/00/0000	
बुध	01/11/2049	केतु	01/11/2064	शुक्र	05/10/2074	सूर्य	23/09/2091	चंद्र	05/04/2098
केतु	29/10/2050	शुक्र	01/01/2066	सूर्य	05/10/2075	चंद्र	23/03/2092	मंगल	04/11/2098
शुक्र	29/08/2053	सूर्य	08/05/2066	चंद्र	05/06/2077	मंगल	29/07/2092	राहु	06/05/2100
सूर्य	05/07/2054	चंद्र	08/12/2066	मंगल	05/08/2078	राहु	23/06/2093	गुरु	05/09/2101
चंद्र	05/12/2055	मंगल	06/05/2067	राहु	05/08/2081	गुरु	11/04/2094	शनि	23/08/2102
मंगल	01/12/2056	राहु	23/05/2068	गुरु	05/04/2084	शनि	24/03/2095		00/00/0000
राहु	20/06/2059	गुरु	29/04/2069	शनि	05/06/2087	बुध	29/01/2096		00/00/0000
गुरु	25/09/2061	शनि	08/06/2070	बुध	05/04/2090	केतु	04/06/2096		00/00/0000
शनि	04/06/2064	बुध	05/06/2071	केतु	05/06/2091	शुक्र	05/06/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 9 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।